(c) how much amount does it work out as per the existing formula/basis and how much money has been released to the Delhi Government in the last three years and during 1996;

(d) whether the Delhi Government has taken any exception to the indifferent attitude of Government towards their finances; and

(e) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (e) Under the Constitution the proceeds of some of the Central Taxes and Duties are shared with the States only. Therefore the Union Territories (whether with or without Legislature) are not entitled and have not been paid any share in Central Taxes and Duties.

आवश्यक वस्तुओं का थोक बिक्री मूल्य सूचकांक और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

1854. **श्री गोविन्दराम मिरी:**
श्रीमती मालती शर्मा:

क्या **वित्त** मंत्री 26 नवम्बर, 1996 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 462 और तारांकित प्रश्न 77 को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गत छः महीनों के दौरान आवश्यक वस्तुओं के थोक बिक्री मूल्य सूचकांक और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का ब्यौरा क्या है;

(ख) मूल्य सूचकांक में लगातार वृद्धि होने के क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार ने मूल्यों में वृद्धि और मुद्रा-स्फीति पर नियंत्रण करने के लिए क्या-क्या कदम उठाये हैं?

वित्त मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) पिछले छह महीनों के दौरान आवश्यक वस्तुओं के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यू पी०आई०) तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सी०पी०आई०) नीचे सूचीबद्ध है:—

महीना	थोक मूल्य सूचकांक (1981-82=100)	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (1982=100)
मई, 1996	305.5	326
जून	313.0	332
जुलाई	318.0	336
अगस्त	323.1	339
सितम्बर	327.4	342
अक्टूबर	330.2	उ०न०
16 नवम्बर	334.7	उ०न०

(ख) मूल्यों में वृद्धि जो पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 96) में संतुलित बनी रही थी, में पैट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में लगभग 18 प्रतिशत की औसत वृद्धि के बाद जुलाई से उर्ध्वमुखी प्रवृति दिखाई देनी आरम्भ हुई। यह उर्ध्वमुखी प्रवृत्ति कोयले की कीमतों में संशोधन और खाद्यान्नों की कीमतों विशेषकर चावल और गेहूं की कीमतों में तीव्र वृद्धि द्वारा और अधिक प्रबल हो गई। 1995-96 में खाद्यान्न उत्पादन में गिरावट के कारण आपूर्ति में कुछ कमी आई, विशेष रूप से गेहूं के मामले में जिसके परिणामस्वरूप इसकी कीमतों में तीव्र वृद्धि हुई।

(ग) सरकार ने मूल्यों और मुद्रास्फीति में वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में उपाय किए हैं, जिन में ये शामिल हैं:—

(1) भारतीय खाद्य निगम द्वारा चावल और गेहूं की खुले बाजार में बिक्री को जारी रखना।

(2) चीनी, खाद्य तेलों, दालों तथा कम वसा वाले दूध' पाउडर जैसी चुनिन्दा आवश्यक वस्तुओं के लिए शून्य या घटे शुल्कों पर ओ०जी०एल० आयात नीति को जारी रखना।

(3) सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए

आपूर्ति के लिए सरकारी खाते पर खाद्य तेलों का आयात।

(4) 1996-97 के लिए बजट में बजटीय घाटे को सकल घरेलू-उत्पाद के 5 प्रतिशत पर नियंत्रित करने के लिए प्रयत्न करना।

(5) विवेकपूर्ण मौद्रिक नीतियों के जरिए मौद्रिक वृद्धि को 15.5-16.0 प्रतिशत पर नियंत्रित रखना।

Representations for Removal of Central Excise Duty on Camphor

1855. SHRI SATISH PRADHAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government have received representation from Industry/Trade Organisations and others for removal of Central Excise Duty on Camphor;

(b) if so, the reaction of Government to the representations received in this regard and action taken/proposed thereon;

(c) whether it is a fact that with imposition on Central Excise Duty, domestic produce of camphor has become costly and installed capacity is underutilised while import of camphor is on increase affecting the working of domestic sector; and

(d) if so, what steps have been taken/proposed to provide relief to the domestic units to facilitate utilisation of installed capacity and compete with foreign units?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) Government have received representations for removal of central excise duty on camphor. The representations will be examined while considering proposals for 1997-98 budget.

(c) and (d) The capacity utilisation and the cost of production depend upon number of factors and may not be directly related to the levy of excise duty on a product.

Branches of Bank of India in the Country

1856. SHRI RAHAS BIHARI BARIK: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the number of branches of the Bank of India in the country;

(b) whether the Bank of India proposes to open its new branches in 1996-97;

(c) if so, the States where the Bank of India proposes to open new branches during the current financial year; and

(d) the details thereof?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (d) Bank of India have reported that they have 2437 branches in the country as on November 28, 1996. The bank proposes to open 65 branches and 5 extension counters during the year 1996-97 mainly in the State/Union Territories of Andhra Pardesh, Maharashtra, Haryana, Uttar Pradesh, National Capital Territory of Delhi, Chandigarh, Karnataka, Madhya Pradesh, West Bangal, Bihar and Gujarat.

विद्युत वित्त निगम को प्रस्तावित ऋण राशि में विश्व बैंक द्वारा कटौती

1857. **श्री इकबाल सिंह:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विश्व बैंक ने विद्युत वित्त निगम को दिये जाने वाले प्रस्तावित ऋण की राशि 5 बिलियन डालर से घटाकर 3 बिलियन डालर कर दी है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) विद्युत वित्त निगम को दिये जा रहे ऋण की निबन्धन और शर्तों का ब्यौरा क्या है?

वित्त मंत्री (श्री पी॰ चिदम्बरम): (क) विश्व बैंक से 500 मिलियन अमरीकी डालर की सहायता के लिए विद्युत वित्त निगम को प्रस्ताव भारत सरकार विद्युत वित्त निगम और विश्व बैंक के बीच विचार-विमर्श के प्रारम्भिक चरण में है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।